



LPG के लिये प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBTL) योजना

स्रोत: TH

चर्चा में क्यों?

भारत की रसोई गैस के लिये [प्रत्यक्ष लाभ अंतरण \(DBTL\) योजना](#), जिसे [प्रत्यक्ष हस्तांतरित लाभ \(PAHAL\) योजना](#) के नाम से भी जाना जाता है, के माध्यम से 4.08 करोड़ से अधिक डुप्लीकेट, फर्जी या नषिक्रयि एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) कनेक्शनों को ब्लॉक, नलिंबति या नषिक्रयि कर दिया गया है।

LPG के लिये प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBTL) क्या है?

- **DBTL:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में **LPG सब्सिडी को सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खातों** में स्थानांतरित करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और रसाव को कम करने के लिये DBTL शुरू किया गया था।
 - **DBTL के अंतर्गत**, अब सभी LPG सिलिंडर **गैर-सब्सिडी दरों** पर बेचे जाते हैं तथा सब्सिडी राशि सिलिंडर की डिलीवरी के बाद लाभार्थियों को भेजी जाती है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
 - **प्रत्यक्ष लाभ:** सब्सिडी स्वचालित रूप से **आधार ट्रांसफर कंप्लायंट (ATC)** या **बैंक ट्रांसफर कंप्लायंट (BTC)** मोड के माध्यम से उपयोगकर्ता के खाते में जमा हो जाती है। इससे **ढायवर्जन और फर्जी कनेक्शन** समाप्त हो जाते हैं और उपभोक्ता के अधिकारों की रक्षा होती है।
 - **उपभोक्ता सशक्तीकरण:** उपयोगकर्ता पात्रता के आधार पर सब्सिडी लेने/छोड़ने का विकल्प चुन सकते हैं।
 - **कुशल वितरण:** पारदर्शिता में सुधार और LPG आपूर्ति को सुव्यवस्थित करता है।
- **पात्रता:** पंजीकृत **LPG उपभोक्ता होना चाहिये तथा आयकर अधिनियम, 1961** के अनुसार आवेदक और उसके पति/पत्नी की संयुक्त कर योग्य आय पिछले वित्तीय वर्ष में 10,00,000 रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिये।
- **उपलब्धियाँ:** जुलाई 2024 तक, **30.19 करोड़** से अधिक **LPG उपभोक्ता PAHAL योजना** में पंजीकृत हो चुके हैं। **वर्ष 2024-25 में 194 करोड़** गैस रफिलि वितरित की गई, जिनमें **केवल 0.08% शकियातें** दर्ज हुईं, जो योजना की दक्षता को दर्शाता है।
 - सक्रिय LPG उपभोक्ताओं में से **92.44% का आधार सिस्टम** में दर्ज है। DBTL उपभोक्ताओं में से **86.78% आधार-ट्रांसफर कंप्लायंट** के अनुरूप हैं।
 - **रसिर्च एंड डेवलपमेंट इनशिष्टिवि (RDI)** द्वारा की गई एक तृतीय-पक्ष मूल्यांकन में पाया गया कि **90% से अधिक उपभोक्ता PAHAL** की सब्सिडी प्रणाली से संतुष्ट हैं। रिपोर्ट में बेहतर लक्षित लाभ, सशक्त शकियात नविवरण प्रणाली और व्यापक सुरक्षा जागरूकता की सफिराशि की गई है।

भारत की कल्याणकारी योजनाओं की वितरण प्रणाली प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रणाली के माध्यम से कैसे बेहतर हुई है?

- **DBT और रसाव पर नयितरण:** भारत की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रणाली ने **₹3.48 लाख करोड़** की बचत की है, जो लाभ वितरण में रसाव पर नयितरण के माध्यम से संभव हुआ। इसके परणामस्वरूप, वर्ष 2009 से 2024 के बीच सब्सिडी व्यय कुल सरकारी खर्च के **16% से घटकर 9% रह गया है**।
- **लाभार्थी कवरेज:** DBT के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या 16 गुना बढ़ी है, वर्ष 2014 में 11 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024 में 176 करोड़ हो गई। यह वृद्धि [JAM ट्रानिटी \(जन धन, आधार, मोबाइल\)](#) जैसी डिजिटल अवसंरचना की मदद से संभव हुई है।
 - DBT में नकद हस्तांतरण (जैसे [प्रधानमंत्री कसिन सम्मान नधि \(PM-KISAN\)](#)), पेंशन और छात्रवृत्तियों के साथ-साथ वस्तु आधारित सहायता (जैसे [सार्वजनिक वितरण प्रणाली](#) के माध्यम से खाद्यान्न और उर्वरक सब्सिडी) दोनों शामिल हैं।
 - **लाभार्थी कवरेज और DBT बचत के बीच 0.71 का मज़बूत सकारात्मक सहसंबंध पाया गया है, जो दर्शाता है कि जैसे-जैसे कवरेज में वृद्धि हुई, बचत भी बढ़ी।**

- सब्सिडी व्यय और कल्याण दक्षता के बीच नकारात्मक सहसंबंध (-0.74) यह दर्शाता है कि DBT ने रसाव और अपव्यय को घटाकर दक्षता बढ़ाई है।

- वेलफेयर एफिशिएंसी इंडेक्स (WEI): ब्लूक्राफ्ट डजिटल फाउंडेशन का WEI प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) की सफलता को मापता है, जिसमें DBT बचत (50% भार), सब्सिडी में कमी (30% भार), और लाभार्थी वृद्धि (20% भार) शामिल है। यह वर्ष 2014 में 0.32 से बढ़कर 2023 में 0.91 हो गया, जो बेहतर दक्षता और समावेशन को दर्शाता है।

?????? ???? ?????:

प्रश्न. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली ने भारत की कल्याणकारी वितरण प्रणाली को किस प्रकार नया रूप दिया है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

मेन्स

प्रश्न. प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के माध्यम से सरकारी प्रदेय व्यवस्था में सुधार एक प्रगतशील कदम है, कति इसकी अपनी सीमाएँ भी हैं। टपिणी कीजिये। (2022)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/direct-benefit-transfer-for-lpg-dbt-scheme>

